दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार, 13 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 165

## महत्वपूर्ण एवं खास

### गोकुलपुरी इलाके की झुग्गियों में भीषण आग, 7 लोगों की जलकर मौत

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बीती देर रात गोकुलपुरी इलाके की झोंपडिय़ों में आग लग गई, जिससे सात लोगों की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। आनन फानन में आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंचे दमकलर्मियों ने आग पर काबू पाया और सात शवों को मौके से बरामद किया। इसकी जानकारी दिल्ली दमकल सेवा ने दी है। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बीती देर रात हमें गोकुलपुरी में झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली थी। हम तुरंत फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों का रेस्क्यू करना शुरू किया। मौके पर 7 लाशों को बरामद किया गया है। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू कर लिया गया। वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा सुबह सुबह ये दुखद समाचार सुनने को मिला है। मैं स्वयं वहां जाकर पीड़ित लोगों से मिलूंगा।

### बीमार पत्नी का इलाज न कराना अमानवीय, दिल्ली कोर्ट ने पति को दिया महिला को 1 लाख रुपये देने का आदेश

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** एक व्यक्ति ने अपनी लाचारी का हवाला देते हुए कैंसर पीड़ित पत्नी को इलाज के लिए रुपये देने से इनकार कर दिया। अदालत ने इस रवैये को अमानवीय करार देते हुए कहा कि बेशक पति-पत्नी के बीच मतभेद हैं, लेकिन इस समय पत्नी गंभीर बीमारी से जूझ रही है। पत्नी को इलाज के लिए मोटी रकम की जरूरत है, जबकि पति के पास बहाने हैं। यह अमानवीयता की बेहद भयावह तस्वीर है। दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीलोफर आबिदा प्रवीण की अदालत ने इस मामले में पति को निर्देश दिया है कि वह पत्नी के इलाज के लिए एक लाख रुपये की राशि दे। अदालत ने यह भी कहा कि इस समय पीड़ित महिला मानसिक, शारीरिक परेशानी के साथ ही आर्थिक तंगी से जूझ रही है। उसके साथ यह व्यवहार उचित नहीं है। इस समय इस महिला को आर्थिक मदद के साथ ही अपनत्व की जरूरत है।

### सीबीएसई 10वीं टर्म-1 के परिणाम जारी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** सीबीएसई कक्षा 10वीं टर्म 1 परीक्षा 2021 परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं टर्म 1 की मार्कशीट संबंधित स्कूलों को भेजी है। छात्र संबंधित स्कूल प्राधिकरण से जाकर अपना स्कोर कार्ड ले सकते हैं। स्कोरकार्ड में छात्रों के विषयवार अंकों का विवरण हो सकता है। स्कूल प्राधिकरण अपनी आधिकारिक शिक्षा मेल आईडी के माध्यम से परिणाम को चेक कर सकते हैं। सीबीएसई ने इस बार परिणाम को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी नहीं किया है। इससे पहले यही अंदाजा लगाया जा रहा था कि परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होंगे। स्कूल छात्रों के परिणाम को डाउनलोड कर के इस छात्रों को दे सकते हैं। सभी छात्र अपने संबंधित स्कूलों से संपर्क करें। 12वीं के परिणाम भी जल्द जारी होंगे। सीबीएसई की ओर से अब बारहवीं कक्षा के परिणाम भी जल्द ही जारी किए जा सकते हैं। दरअसल, बीते कई दिनों से बड़ी संख्या में छात्र सोशल मीडिया पर परिणाम को जारी करने की मांग कर रहे थे। इस साल सीबीएसई 10वीं, 12वीं की टर्म 1 परीक्षा में करीब 31 लाख से अधिक छात्र उपस्थित हुए थे। सीबीएसई टर्म 1 कक्षा 10 की परीक्षाएं 30 नवंबर से 11 दिसंबर, 2021 तक हुई थी।

### यूक्रेन में कीव और अन्य शहरों की ओर बढ़ रही है रूसी सेना

**कीव।** रूस-यूक्रेन युद्ध का आज 17वां दिन है और रूसी सेना यूक्रेन की राजधानी कीव तथा पश्चिमोत्तर की ओर बढ़ रही है। रूसी सेना टैंकों से उन जगहों पर गोले दागे, जिसकी घेराबंदी पहले से कर रखी है। गोलाबारी इतनी ज्यादा हो रही है कि एक शहर के निवासी मृतकों की बढ़ती संख्या को दफनाने में असमर्थ है और लोगों को शहर छोडऩे से भी रोक दिया गया है। मारियुपोल का बंदरगाह शहर, गोलाबारी की आवाजें निरंतर सुनाई दे रही है। लोग बार-बार भोजन और पानी लाने और फंसे हुए नागरिकों को निकालने के प्रयास कर रहे हैं, लेकिन गोलीबारी के डर से वे इसमें असफल हो रहे हैं।

# सुरक्षाबलों ने ताबड़तोड़ 3 मुठभेड़ों में मार गिराए गए 5 आतंकी

**श्रीनगर (आरएनएस)।** जम्मू कश्मीर में रात भर चले तीन अलग-अलग ऑपरेशन में पांच आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस ने कहा कि पुलवामा के चेवाकलां इलाके में मुठभेड़ में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए। उनमें से एक की पहचान पाकिस्तानी जैश कमांडर कमाल भाई के रूप में हुई है, जो 2018 से सक्रिय था।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 2 आतंकियों को मार गिराया। मारा गया एक दहशतगर्द आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैएबा से जुड़ा था। दूसरे आतंकी की पहचान अभी नहीं हो पाई है। यह एनकाउंटर गांदरबल के सेरच इलाके में हुआ। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है।

**हंदवाड़ा में एक आतंकी ढेर-** हंदवाड़ा के रजवार इलाके के नेचामा में मुठभेड़ में लश्कर का एक आतंकवादी मारा गया है। कश्मीर जोन पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, हंदवाड़ा के नेचामा, रजवार इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस और सुरक्षा बल काम पर हैं। आगे की जानकारी का इंतजार है।

**शुक्रवार रात चार से पांच जगहों पर ज्वाइंट ऑपरेशन-** कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार रात चार से पांच जगहों पर संयुक्त अभियान चलाया, जिसमें जैश के दो आतंकवादी और लश्कर के दो आतंकवादी मारे गए। सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को भी जिंदा पकड़ा है। हंदवाड़ा और पुलवामा में मुठभेड़ खत्म हो गई है। गांदरबल में एक और आतंकी मारा गया है।

**सरपंच की हत्या के बाद ऑपरेशन तेज-** जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शुक्रवार को एक सरपंच की हत्या के बाद ये मुठभेड़ हुई हैं। आतंकियों ने निर्दलीय सरपंच शब्बीर अहमद मीर पर रात करीब 8 बजकर 50 मिनट पर अदौरा स्थित उनके आवास के पास गोलियां चलाईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। नागरिकों, विशेष रूप से हिंदू और सिख क्षेत्र में धार्मिक अल्पसंख्यकों की टारगेटेड हत्याओं के बाद सुरक्षा बलों ने घाटी में आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर दिया है।

## गो कोरोना गो... देश में बचे कोरोना के महज 40 हजार केस, नए मामले 3600 ही मिले

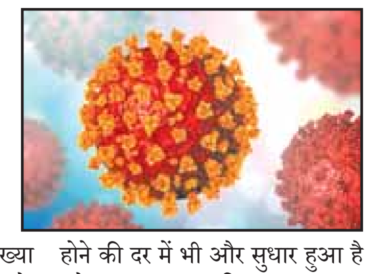

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** भारत में लगातार कोरोना के केसेज कम होते जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 3,614 नए मामले सामने आए हैं। 12 मई 2020 के बाद यह एक दिन में सामने आए सबसे कम मामले हैं। वहीं देश में संक्रमितों की संख्या बढक़र 4,29,87,875 हो गई है, जबकि इलाज करा रहे मरीजों की संख्या घटकर 40,559 रह गई है।

तेजी से ठीक हो रहे लोग

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार सुबह आठ बजे यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे के दौरान 89 और मरीजों की मौत होने से देश में कोविड-19 महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या 5,15,803 हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक कुल संक्रमितों के मुकाबले इलाज करा रहे मरीजों की संख्या केवल 0.09 प्रतिशत है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 से ठीक होने की दर में भी और सुधार हुआ है और यह 98.71 प्रतिशत तक पहुंच गयी है।

मृत्यु दर हुई 1.2 फीसदी

मंत्रालय ने बताया कि गत 24 घंटे के दौरान उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 1,660 की कमी आई है। आंकड़ों के मुताबिक 12 मई 2020 को 3,604 नए मामले सामने आए थे,उसके बाद ये एक दिन में सबसे कम मामले हैं। मंत्रालय ने बताया कि अबतक 4,24,31,513 मरीज ठीक हो चुके हैं जबकि मृत्युदर 1.2 प्रतिशत है। इस बीच, देश में अबतक कोविड-19 टीके की 179.91 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।

## उपभोक्ता मामले के विभाग 14 से 20 मार्च 2022 तक उपभोक्ता अधिकारिता सप्ताह का आयोजन करेगा

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** उपभोक्ता मामले विभाग आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में प्रगतिशील भारत के 75 साल और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करने और समारोह मनाने के लिए 14 से 20 मार्च 2022 तक उपभोक्ता अधिकारिता सप्ताह का आयोजन कर रहा है। ये समारोह 15 मार्च को आयोजित होने वाले विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के साथ मनाए जा रहे हैं। उपभोक्ता मामले विभाग देश में विभिन्न स्थानों पर कई कार्यकलापों का आयोजन करेगा।

समारोह के उद्घाटन दिवस पर, विभाग के तहत संगठनों अर्थात भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारतीय कानूनी माप विज्ञान संस्थान (आईआईएलएम) रांची, नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ), नेशनल टेस्ट हाउस (एनटीएच) तथा क्षेत्रीय संदर्भ मानक प्रयोगशालाओं (आरआरएसएल) की प्रक्षेत्र इकाइयां 75 गांवों में ग्रामीण लोक संपर्क कार्यक्रम आयोजित करेंगी। लोक संपर्क कार्यक्रम राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच), उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की विशेषताओं, बीआईएस मानकों, पूर्व-पैक वस्तुओं पर देखे जाने वाले विवरण, आईएसआई चिन्हित प्रेशर कूकर तथा हेलमेट के उपयोग, हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की खरीद तथा उचित भार और मापों का उपयोग जैसी स्थानीय जनसंख्या की रुचि से संबंधित विभिन्न पहलों के बारे में जागरूकता का निर्माण करेंगे।

विभाग 15 मार्च 2022 को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाएगा। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली में किया जा रहा है और इस वर्ष की विषयवस्तु न्यायसंगत डिजिटल फाइनेंस है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, कपड़ा और वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे।

## अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका, ईडी के समन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रिज़ुरा को दिल्ली हाई कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी और रिज़ुरा की उस याचिका को खारिज कर दी है जिसमें पश्चिम बंगाल कोयला घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जारी समन को रद्द करने की मांग की गई थी। जस्टिस रजनीश भटनागर ने बनर्जी की पत्नी की याचिका को भी खारिज कर दिया जिसमें उनके खिलाफ ईडी की ओर से दायर शिकायत और उसका संज्ञान लेने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। याचिका में फिजिकल उपस्थिति के लिए याचिकाकर्ता के खिलाफ समन जारी करने को भी चुनौती दी गई थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 48 जांच एजेंसी को आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के मामले में क्षेत्रीय रूप से प्रतिबंधित नहीं करती है। कोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी स्पष्ट रूप से अपने अधिकार क्षेत्र के प्रयोग के संदर्भ में पुलिस अधिकारियों पर लगाए गए क्षेत्रीय सीमाओं की ओर इशारा करता है और ऐसा अधिकार क्षेत्र उनके संबंधित स्थानीय क्षेत्रों (कुछ स्थितियों को छोडक़र) तक सीमित प्रतीत होता है जो उनके संबंधित पुलिस स्टेशनों के अंतर्गत आते हैं।

कोर्ट ने आगे कहा कि यह स्पष्ट है कि विधायिका ने एक खास तरह के अपराध से निपटने के लिए एक अलग तंत्र बनाया है और सीआरपीसी में क्षेत्रीय सीमाओं से अवगत होने के बावजूद, विधायिका ने पीएमएलए में उन सीमाओं को शामिल नहीं करने का विकल्प चुना है। दरअसल, सीबीआई ने कुछ लोगों द्वारा पश्चिम बंगाल में किए गए ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के लीजहोल्ड क्षेत्रों से अवैध खनन और कोयले की चोरी के कथित अपराधों के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

इसके तहत ईडी ने नई दिल्ली स्थित हेड इन्वेस्टिगेटिव यूनिट में श्वष्टढ्ढक्र दर्ज किया था। जिसके बाद कोलकाता के रहने वाले दोनों लोगों को दिल्ली में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था। जिसके बाद वो ईडी के समन को चुनौती देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट रुख किए थे और कहा था कि इसकी जांच केवल कोलकाता से संबंधित स्थानीय कार्यालय द्वारा किया जा सकता है।

## केंद्रीय बोर्ड ने वर्ष 2021-22 के लिए अपने ग्राहकों को 8.10 % ब्याज दर की सिफारिश की

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में आजादी का अमृत महोत्सव के प्रतिष्ठित सप्ताह के दौरान केंद्रीय न्यासी बोर्ड, ईपीएफ की 230वीं बैठक आज गुवाहाटी में आयोजित की गई। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली इस बैठक के उपाध्यक्ष और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सचिव सुनील बर्थवाल तथा सदस्य सचिव श्रीमती नीलम शम्मी राव, केंद्रीय पीएफ आयुक्त सह-अध्यक्ष थे।

केंद्रीय बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए सदस्यों के खातों में ईपीएफ जमा राशि पर 8.10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर से जमा करने की सिफारिश की। ब्याज दर आधिकारिक तौर पर सरकारी राजपत्र में अधिसूचित की जाएगी जिसके बाद ईपीएफओ अपने ग्राहकों के खातों में ब्याज दर से जमा करेगा।

निवेश के प्रति अनुदार दृष्टिकोण का पालन करने के बावजूद, ईपीएफओ ने पिछले कई वर्षों में लगातार उच्च रिटर्न उत्पन्न किया है, जिसने इसे न्यूनतम क्रेडिट जोखिम के साथ विभिन्न आर्थिक चक्रों के माध्यम से अपने ग्राहकों को अधिक ब्याज प्रदान करने में सक्षम बनाया है।

परंपरागत रूप से, ईपीएफओ पिछले कई दशकों से लंबी अवधि की अधिक मुनाफा वाली प्रतिभूतियों में निवेश करने की अपनी विवेकपूर्ण निवेश नीति के कारण अन्य उपलब्ध निवेश विकल्पों की तुलना में सेवानिवृत्ति बचत पर अधिक ब्याज दर रखने में सक्षम रहा है। इसने यह सुनिश्चित किया है कि ईपीएफओ के निवेश पर रिटर्न तब भी अधिक है, जब पिछले एक दशक में प्रतिफल में लगातार गिरावट आ रही है।

वित्त वर्ष 2022 के लिए, ईपीएफओ ने इक्विटी में अपने कुछ निवेश को समाप्त करने का निर्णय लिया और अनुशंसित ब्याज दर पर ऋण निवेश से प्राप्त ब्याज के साथ-साथ इक्विटी निवेश से प्राप्त आय से संयुक्त आय का सृजन किया है। इसने ईपीएफओ को अपने ग्राहकों को अधिक रिटर्न प्रदान करने में सक्षम बनाया और फिर भी ईपीएफओ को अधिशेष के साथ भविष्य में भी उच्च रिटर्न प्रदान करने के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करने की अनुमति दी। आय के इस वितरण के कारण ईपीएफओ की संपदा पर कोई अधिक निकासी का बोझ नहीं है।

## भारतीय मानक ब्यूरो ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों का उल्लंघन करने पर 1032 प्रेशर कुकर और 936 हेलमेट जब्त किए

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित अनिवार्य मानकों के उल्लंघन में घरेलू सामान बेचने के प्रति सचेत करते हुए सुरक्षा नोटिस जारी किया है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 18(2)(ब्द्ध) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ताओं को ऐसे घरेलू सामान खरीदने के प्रति सचेत करने के लिए एक सुरक्षा नोटिस जारी किया है जिनमें वैध आईएसआई मार्क नहीं हैं और जो केंद्र सरकार द्वारा अनिवार्य उपयोग के लिए निर्देशित मानकों का उल्लंघन करते हैं। इससे पहले, सीसीपीए ने अनिवार्य मानकों का उल्लंघन करने वाले हेलमेट, प्रेशर कुकर और रसोई गैस सिलेंडर खरीदने के विरूद्ध उपभोक्ताओं को सचेत करने के लिए दिनांक 06.12.2021 को सुरक्षा नोटिस भी जारी किया था। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत अनिवार्य मानकों का उल्लंघन करने वाले सामान को त्रुटिपूर्ण माना जाता है। सुरक्षा नोटिस को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, उद्योग संघों, कानूनी सेवा प्राधिकरणों, उपभोक्ता संघों और लॉ चेयर के बीच व्यापक रूप से प्रसारित किया गया है।

सीसीपीए ने अनुचित व्यापार व्यवहार को रोकने और एक वर्ग के रूप में उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने, बढ़ावा देने तथा लागू करने के मामले में बिक्री या वस्तुओं की बिक्री की पेशकश से जुड़े मामलों को लेने का निर्णय किया है जो अनिवार्य मानकों का उल्लंघन करते हैं। इसलिए अगर कोई भी व्यक्ति अनिवार्य मानकों के अनुरूप और बीआईएस द्वारा निर्धारित वैध लाइसेंस धारण किए बिना उपरोक्त तालिका में उल्लिखित घरेलू सामान बेचता पाया गया तो वह उपभोक्ता अधिकारों और अनुचित व्यापार प्रथाओं के उल्लंघन के लिए उत्तरदायी होगा और उसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

## पीएम नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का भवन राष्ट्र को किया समर्पित

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अहमदाबाद में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का एक भवन राष्ट्र को समर्पित किया और अपना पहला दीक्षांत भाषण दिया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल उपस्थित थे।

शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी और दांडी मार्च में भाग लेने वालों को श्रद्धांजलि दी। इस दिन महान मार्च की शुरुआत की गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा, अंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ गांधी जी के नेतृत्व में जो आंदोलन चला, उसने अंग्रेजी हुकूमत को हम भारतीयों के सामूहिक सामर्थ्य का एहसास करा दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक काल के दौरान आंतरिक सुरक्षा की धारणा औपनिवेशिक शासकों के लिए शांति बनाए रखने के लिए जनता में भय पैदा करने पर आधारित थी। इसी तरह, पहले का परिदृश्य बहुत अलग था क्योंकि सुरक्षा बलों के पास तैयारी के लिए अधिक समय था जो अब नहीं है क्योंकि प्रौद्योगिकी तथा परिवहन एवं संचार में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की पुलिसिंग के लिए बातचीत और अन्य सॉफ्ट स्किल्स जैसे कौशल की आवश्यकता होती है जो लोकतांत्रिक परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक हैं।

उन्होंने पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की छवि बदलने की जरूरत पर बल दिया। लोकप्रिय संस्कृति में भी पुलिस का चित्रण इस संबंध में मददगार नहीं है। उन्होंने महामारी के दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा किए गए मानवीय कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता के बाद, देश के सुरक्षा तंत्र में सुधार की आवश्यकता थी। एक धारणा विकसित की गई थी कि हमें वर्दीधारी कर्मियों से सावधान रहना होगा। लेकिन अब यह बदल गया है। जब लोग अब वर्दीधारी कर्मियों को देखते हैं, तो उन्हें मदद का आश्वासन मिलता है।

प्रधानमंत्री ने पुलिस कर्मियों के लिए नौकरी के तनाव से निपटने में संयुक्त परिवार के घटते समर्थन के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बलों में योग विशेषज्ञों सहित तनाव से निपटने के लिए विशेषज्ञों और विश्राम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता है।

उन्होंने सुरक्षा और पुलिसिंग कार्य में प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अगर अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उन्हें भी पकडऩे के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी पर जोर देने से दिव्यांग लोग भी इस क्षेत्र में योगदान करने में सक्षम होंगे।

उन्होंने कहा कि गांधीनगर क्षेत्र में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रक्षा विश्वविद्यालय और फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने इन संबंधित क्षेत्रों में समग्र शिक्षा कायम करने को लेकर नियमित संयुक्त संगोष्ठियों के माध्यम से इन संस्थानों के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, इसे पुलिस यूनिवर्सिटी मानने की गलती कभी न करें। यह एक रक्षा विश्वविद्यालय है जो देश की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखता है। उन्होंने भीड़ और भीड़ मनोविज्ञान, वार्ता, पोषण और प्रौद्योगिकी जैसे विषयों के महत्व को दोहराया।

उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे मानवता के मूल्यों को हमेशा अपनी वर्दी के अभिन्न अंग के रूप में रखें और अपने प्रयासों में सेवा भावना की कभी कमी नहीं होने दें। उन्होंने सुरक्षा के क्षेत्र में लड़कियों और महिलाओं की बढ़ती संख्या पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी देख रहे हैं। विज्ञान हो, शिक्षा हो या सुरक्षा, महिलाएं आगे बढक़र नेतृत्व कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने संस्थान के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में ऐसे किसी भी संस्थान के पहले बैच की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने गुजरात को फार्मास्युटिकल क्षेत्र में अग्रणी बनाने में गुजरात के पुराने फार्मेसी कॉलेज के योगदान के बारे में बताया। इसी तरह आईआईएम अहमदाबाद ने देश में मजबूत एमबीए शिक्षा प्रणाली के निर्माण का नेतृत्व किया।